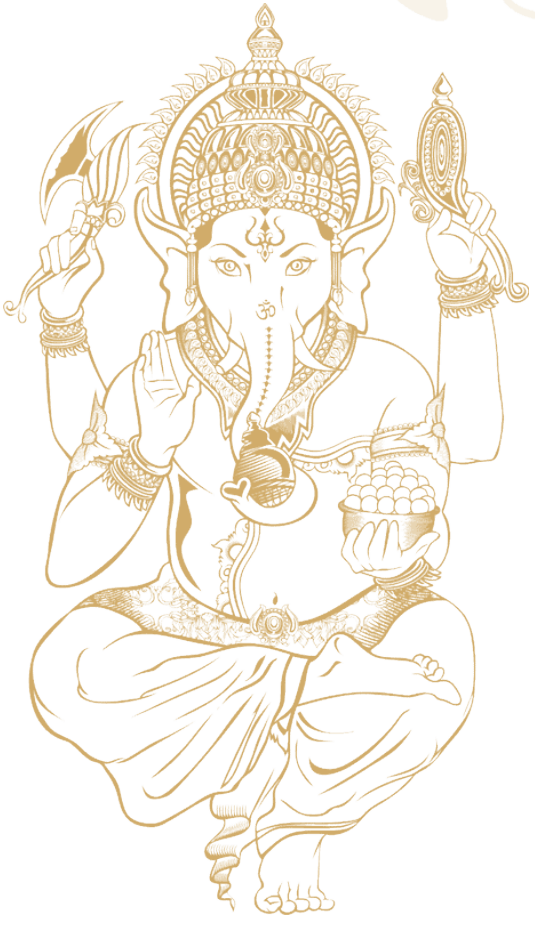

Mr.Khushal Upadhyay

Ms.Kuhu Mishra

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120571603

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
24/03/1998	जन्म तिथि	17/04/2000
मंगलवार	दिन	सोमवार
घंटे 07:14:00	जन्म समय	09:55:00 घंटे
घटी 02:19:44	जन्म समय(घटी)	10:08:40 घटी
India	देश	India
Hathras	स्थान	Pilibhit
27:36:00 उत्तर	अक्षांश	28:37:00 उत्तर
78:02:00 पूर्व	रेखांश	79:48:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:17:52	स्थानिक संस्कार	-00:10:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:18:06	सूर्योदय	05:43:27
18:30:51	सूर्यास्त	18:37:43
23:49:50	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:24

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
चन्द्र 7वर्ष 4मा 13दि	27:33:33	मीन	लग्न	मिथु	10:59:30	चन्द्र 6वर्ष 4मा 0दि
राहु	09:23:19	मीन	सूर्य	मेष	03:36:37	राहु
05/08/2012	13:30:24	मक	चंद्र	कन्या	14:53:17	17/08/2013
06/08/2030	21:05:13	मीन	मंगल	मेष	24:21:57	18/08/2031
राहु 19/04/2015	26:45:47	मीन	बुध	मीन	12:41:35	राहु 29/04/2016
गुरु 11/09/2017	17:32:04	कुंभ	गुरु	मेष	19:02:48	गुरु 23/09/2018
शनि 18/07/2020	22:58:00	मक	शुक्र	मीन	18:58:46	शनि 30/07/2021
बुध 05/02/2023	26:57:18	मीन	शनि	मेष	23:34:38	बुध 16/02/2024
केतु 23/02/2024	16:34:20	सिंह	राहु व	कर्क	05:38:56	केतु 06/03/2025
शुक्र 23/02/2027	16:34:20	कुंभ	केतु व	मक	05:38:56	शुक्र 06/03/2028
सूर्य 18/01/2028	17:43:48	मक	हर्ष	मक	26:22:46	सूर्य 28/01/2029
चन्द्र 18/07/2029	07:52:08	मक	नेप	मक	12:35:32	चन्द्र 30/07/2030
मंगल 06/08/2030	14:11:10	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	18:45:29	मंगल 18/08/2031

लग्न-चलित

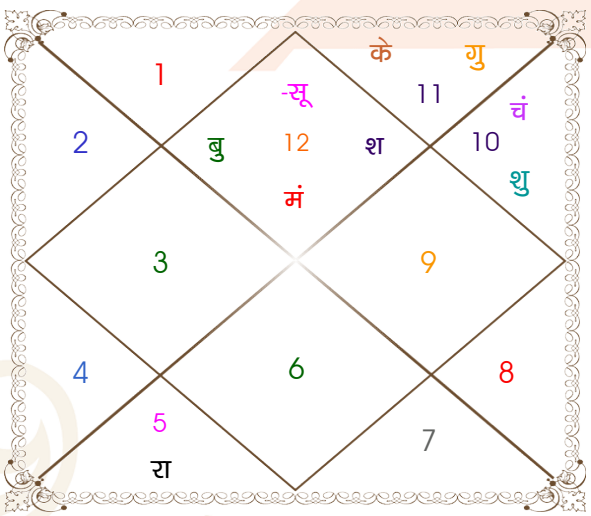

लग्न-चलित

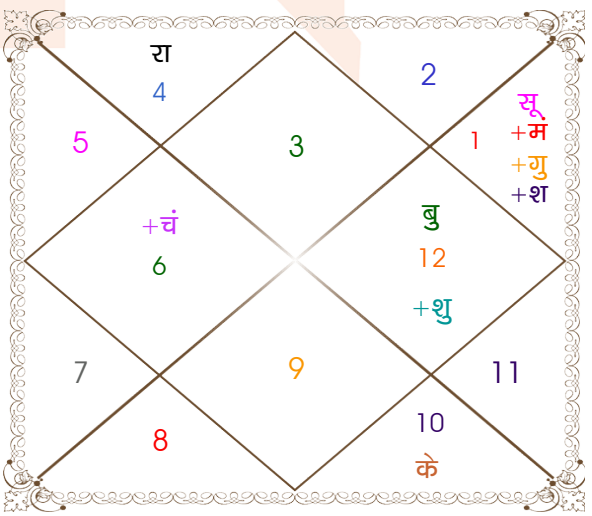

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	वानर	महिष	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	बुध	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	कन्या	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

डतण्ज्ञीर्नोंस न्वंकीलंल का वर्ग मार्जार है तथा डेण्ज्ञनीन डपेीतं का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्ज्ञीर्नोंस न्वंकीलंल और डेण्ज्ञनीन डपेीतं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्ज्ञीर्नोंस न्वंकीलंल मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

डेण्ज्ञनीन डपेीतं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि डेण्ज्ञनीन डपेीतं कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण्ज्ञीर्नोंस न्वंकीलंल तथा डेण्ज्ञनीन डपेीतं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।